शुक्रवार, 1 मई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

वेपिंग विवाद में फंसे रियान पराग, मैच फीस का 25% जुर्माना

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

माइकल जैक्सन बायोपिक 'माइकल' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाई धूम,

Page-05

जबलपुर के बरगी बांध में खराब मौसम के कारण यह बड़ा हादसा हुआ, जब क्रूज संतुलन खो बैठा।घटना के बाद प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ और बचाव अभियान शुरू किया गया।फिलहाल लापता लोगों की तलाश जारी है और सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है।

बरगी बांध में बड़ा हादसा

तेज आंधी में क्रूज पलटा 4 की मौत, कई लापता

- **बरगी बांध में तेज आंधी-बारिश के बीच पर्यटक क्रूज पलटने से 4 लोगों की मौत, 12 अब भी लापता।**
- **एसडीआरएफ, पुलिस और गोताखोरों द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, 15 लोगों को सुरक्षित बचाया गया।**

मध्यप्रदेश के जबलपुर से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां बरगी बांध में एक पर्यटक क्रूज डूब गया। बताया जा रहा है कि इस क्रूज में करीब 30 लोग सवार थे, जो घूमने के लिए बांध क्षेत्र में निकले थे। गुरुवार शाम अचानक मौसम खराब हो गया और तेज बारिश के साथ आंधी चलने लगी। इसी दौरान बांध में ऊंची-ऊंची लहरें उठने लगीं, जिनके बीच क्रूज संतुलन खो बैठा और खमरिया टापू के पास पलटकर डूब गया।घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस, एसडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोर तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। मोटर बोट और स्पीड बोट की मदद से पानी में फंसे लोगों को निकालने का प्रयास लगातार जारी है। रेस्क्यू ऑपरेशन देर रात तक जारी रहने की संभावना जताई जा रही है।जबलपुर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने हादसे में चार लोगों की मौत की पुष्टि की है। वहीं 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि 12 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन को और तेज कर दिया गया है, जिसमें आधुनिक उपकरणों और अतिरिक्त टीमों की मदद ली जा रही है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे के समय मौसम बेहद खराब था, जिसके बावजूद क्रूज संचालन जारी था। अब प्रशासन इस बात की जांच कर रहा है कि क्या सुरक्षा मानकों और मौसम संबंधी चेतावनियों का सही तरीके से पालन किया गया था या नहीं।स्थानीय प्रशासन ने आसपास के इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है और नजदीकी अस्पतालों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस बीच मंत्री राकेश सिंह भी घटना की जानकारी मिलते ही मौके के लिए रवाना हो गए हैं और स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

कोलकाता में स्ट्रॉन्ग रूम पर TMC का प्रदर्शन प्रक्रिया पर उठाए सवाल

TMC की वरिष्ठ नेता डॉ. शशि पांजा और पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष ने स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर बैठकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि स्ट्रॉन्ग रूम के भीतर रखे गए बॉक्सों के साथ निर्धारित नियमों के अनुसार प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है। कुणाल घोष ने दावा किया कि संबंधित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों (एजेंट्स) की गैर-मौजूदगी में बॉक्स खोले जाने की कोशिश की जा रही है, जो चुनाव प्रक्रिया के नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि जब तक इस मामले में स्पष्ट जवाब नहीं मिलता, विरोध जारी रहेगा। कोलकाता में माणिकतला विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार तपस रॉय की पुलिस के साथ तीखी बहस हो गई, जिससे मौके पर कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई। इस दौरान तपस रॉय ने आरोप लगाया कि पिछले संसदीय चुनाव में उनके साथ अन्याय हुआ था। उन्होंने कहा, "मेरा पिछला चुनाव लूट लिया गया था... यह सब कोलकाता पुलिस और असामाजिक तत्वों की वजह से हुआ।" हालांकि, उनके इन आरोपों पर पुलिस की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

ममता बनर्जी का बड़ा दावा: 'मां, माटी, मानुष' की सरकार फिर बनेगी

ममता बनर्जी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि मां, माटी और मानुष की सरकार एक बार फिर बनने जा रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी पार्टी 226 सीटों का आंकड़ा पार करेगी। साथ ही उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से स्ट्रॉग रूम की दिन-रात रखवाली करने के लिए भी कहा है। बता दें कि सीएम ममता ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में मुख्यमंत्री ममता ने जनता को संबोधन करते हुए आभार जताया और चुनाव प्रक्रिया के दौरान हुए घटनाक्रम पर गंभीर आरोप लगाए। सीएम ममता ने कहा, बंगाल के मां, माटी, मानुष को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप सभी लोग अच्छे से रहे हैं और स्वस्थ रहें। आप सबके प्रति मैं कृतज्ञ हूं क्योंकि इतनी धूप में और इतने अत्याचार झेलकर आप लोगों ने जिस हिसाब से वोट दिया है, उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूं। मैं अपने कर्मियों का भी आभार जनाती हूं जिन्होंने तमाम अत्याचार को बर्दास्त करके, ना सिर्फ सेंट्रल फोर्स बल्कि यहां के फोर्स का भी अत्याचार सहन करके अपने काम किया। हम अपनी मां, माटी, मानुष की सरकार बनाने जा रहे हैं। हमने आगे भी सरकार बनाई थी और आगे भी हम ही सरकार बनाएंगे।

जम्मू-श्रीनगर के बीच पहली सीधी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी

यात्रा समय घटेगा और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज जम्मू और श्रीनगर के बीच 20-कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह केंद्र शासित प्रदेश की दोनों राजधानियों के बीच पहली सीधी ट्रेन सेवा है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह भी इस दौरान मौजूद थे। जम्मू और श्रीनगर के बीच सीधी ट्रेन सेवा से यात्रा का समय कम होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 6 जून 2025 को कटरा और श्रीनगर के बीच पहली सीधी ट्रेन सेवा का उद्घाटन किया था। अब इस सेवा को जम्मू तवी रेलवे स्टेशन तक विस्तारित किया जा रहा है। लगभग 43,780 करोड़ रुपये की रेल परियोजना पर काम 1990 के दशक के अंत में शुरू हुआ था और अक्टूबर 2008 में कश्मीर घाटी में पहली ट्रेन चली थी। एक अधिकारी ने कहा, "आधुनिक 20-कोच वाली वंदे भारत ट्रेन जम्मू तवी से अपनी पहली यात्रा शुरू करेगी, जो श्रीनगर तक चलेगी। यह घाटी के चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों को जोड़ेगी।" अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर सेवा की शुरुआत से पहले, मंगलवार को जम्मू से श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन तक वंदे भारत का संचालन परीक्षण किया गया था। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस और 20 कोच वाली प्रारंभिक वंदे भारत ट्रेन कुल 267 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। हम आपको बता दें कि जम्मू-श्रीनगर ट्रेन सेवा दो मई से शुरू करने की योजना है। यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी। मंगलवार को इस मार्ग पर कोई ट्रेन सेवा नहीं होगी। वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक उचित सिंघल ने कहा, "स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके निर्मित यह वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रियों को एक विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करेगी।"

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

अग्नि-6 पर DRDO तैयार

हाइपरसोनिक मिसाइल परीक्षण जल्द संभव

भारत के रक्षा अनुसंधान संगठन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने अगली पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-6 को लेकर अपनी तैयारी पूरी कर ली है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए अब केंद्र सरकार की मंजूरी का इंतजार है। DRDO के चेयरमैन समीर वी. कामत ने गुरुवार को ANI नेशनल सिक्योरिटी समिट 2.0 में कहा, 'यह सरकार का फैसला है। जैसे ही सरकार हमें हरी झंडी देगी, हम आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।' बता दें कि अग्नि-6 को भारत की मौजूदा अग्नि मिसाइल सीरीज से ज्यादा एडवांस इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल माना जा रहा है, जिसकी मारक क्षमता और तकनीकी क्षमता पहले से कहीं बेहतर होगी। समिट के दौरान कामत ने बताया कि भारत का LR-AShM हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल प्रोग्राम काफी आगे पहुंच चुका है और इसके शुरुआती परीक्षण जल्द किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत 2 तरह की हाइपरसोनिक मिसाइलों पर काम कर रहा है, हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल। उन्होंने आसान भाषा में अंतर समझाते हुए कहा, 'हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल में स्क्रैमजेट इंजन होता है और यह उड़ान के दौरान लगातार शक्ति से चलती रहती है, जबकि हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल को शुरुआत में बूस्टर से गति दी जाती है और फिर यह बिना इंजन के ग्लाइड करती है। ग्लाइड मिसाइल का विकास क्रूज मिसाइल से आगे है और इसका पहला परीक्षण जल्द किया जा सकता है। ग्लाइड मिसाइल पहले सामने आएगी। इसके ट्रायल हम जल्दी ही कर सकते हैं, क्योंकि यह ज्यादा एडवांस स्टेज में है।'

यूरोप दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी,

यूएई में संभावित ठहराव से बढ़ेगी कूटनीतिक सक्रियता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूरोप दौरे पर नॉर्डिक सम्मेलन में भाग लेंगे और यूएई में संभावित ठहराव कर सकते हैं। यह यात्रा ऊर्जा सुरक्षा, पश्चिम एशिया स्थिरता, प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और नॉर्डिक देशों के साथ तकनीकी व हरित सहयोग को मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने यूरोप के महत्वपूर्ण दौरे पर जाने वाले हैं, जहां वे भारत-नॉर्डिक सम्मेलन में भाग लेंगे। इस यात्रा के दौरान उनके संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक संक्षिप्त लेकिन अहम ठहराव की संभावना भी जताई जा रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, हालांकि यह कार्यक्रम अभी अंतिम रूप में नहीं है, लेकिन इस पर उच्च स्तर पर विचार-विमर्श जारी है। सूत्रों का कहना है कि हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल का यूएई दौरा इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री की संभावित यात्रा को लेकर वहां प्रारंभिक तैयारियों को अंतिम रूप दिया है। इस संभावित ठहराव को पश्चिम एशिया में भारत की बढ़ती कूटनीतिक सक्रियता के रूप में देखा जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। प्रधानमंत्री का यूरोप दौरा नॉर्वे की राजधानी ओस्लो से शुरू होगा, जहां भारत-नॉर्डिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके बाद उनका कार्यक्रम नीदरलैंड, स्वीडन और इटली की यात्रा का है। यदि यूएई में ठहराव तय होता है, तो यह खाड़ी क्षेत्र में भारत की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती देगा। ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से यह दौरा भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पश्चिम एशिया में तनाव के चलते पारंपरिक आपूर्ति मार्गों पर दबाव बढ़ा है, ऐसे में भारत वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने की दिशा में प्रयासरत है। यूएई के साथ हाल के गैस समझौते और आर्थिक गलियारे पर संभावित चर्चा इस दिशा में निर्णायक साबित हो सकती है। इसके अलावा, खाड़ी देशों में रह रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा भी इस यात्रा के केंद्र में रहेगी। भारत सरकार प्रवासी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दे रही है। रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर भी बातचीत की संभावना है। वहीं, भारत-नॉर्डिक सम्मेलन इस पूरे दौरे का मुख्य आकर्षण होगा। यह मंच भारत और नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड, डेनमार्क तथा आइसलैंड के बीच सहयोग को नई दिशा देता है। सम्मेलन में हरित प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, डिजिटल नवाचार और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर चर्चा होगी। कुल मिलाकर, प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा भारत की वैश्विक रणनीति का अहम हिस्सा है, जो एक ओर ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा, वहीं दूसरी ओर भारत को नवाचार और सतत विकास के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

युद्ध से अमेरिका को $631 अरब नुकसान का अनुमान

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पीट हेगसेथ की कांग्रेस में गवाही के दौरान, बुधवार को डेमोक्रेट रो खन्ना ने रक्षा सचिव से ईरान के साथ युद्ध के लिए एक औसत अमेरिकी परिवार को चुकानी पड़ रही कीमत के बारे में सवाल किया। जब हेगसेथ ने जवाब देने से इनकार कर दिया और पलटकर पूछा कि "एक ईरानी परमाणु बम की क्या कीमत है, तो खन्ना ने उनकी इस बात के लिए आलोचना की कि वे गवाही के दौरान सिर्फ़ सुर्खियाँ बटोरने वाले पल तलाश रहे थे, जबकि अपनी अक्षमता के कारण वे और उनका प्रशासन युद्ध की लागत का हिसाब लगाने में नाकाम रहे थे। खन्ना ने कहा कि उनके पास मौजूद एक अनुमान के मुताबिक, युद्ध के कारण पेट्रोल, भोजन और अन्य ज़रूरी चीज़ों की बढ़ती कीमतों की वजह से एक औसत परिवार को हर साल $5,000 ज़्यादा चुकाने पड़ेंगे। कुल मिलाकर, उन्होंने कहा कि इस युद्ध की वजह से संयुक्त राज्य अमेरिका को $631 अरब का नुकसान हुआ है। खन्ना ने आगे कहा क्या आप जानते हैं कि मुझे सबसे ज़्यादा परेशान करने वाली बात क्या है? यह बात अविश्वसनीय है कि आपने इस बात का विश्लेषण भी नहीं किया कि इसका अमेरिकी लोगों को कितना ख़र्च उठाना पड़ रहा है। एक बात तो यह होती कि आप कहते, 'ठीक है, इसका अमेरिकी लोगों को $5,000 का ख़र्च आया, लेकिन हमें लगता है कि यह इसके लायक है। हमने दूसरे विश्व युद्ध और अन्य युद्धों में भी यही किया है।

मुंबई से स्पाइसजेट की उड़ानें रद्द और देरी से प्रभावित,

यात्रियों को हुई भारी परेशानी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

29 अप्रैल को मुंबई से स्पाइसजेट की कई उड़ानें रद्द और देरी का शिकार हो गईं, जिससे सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। एयरलाइन के अनुसार, मुंबई से दिल्ली, गोरखपुर और बेंगलुरु जाने वाली तीन उड़ानें ऑपरेशनल कारणों से रद्द कर दी गईं। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि SG 631 (मुंबई-दिल्ली), SG 553 (मुंबई-गोरखपुर) और SG 669 (मुंबई-बेंगलुरु) उड़ानों को रद्द करना पड़ा। इसके पीछे मुख्य कारण एक विमान का ग्राउंड होना और पिछले स्टेशन बागडोगरा में खराब मौसम रहा। खराब मौसम के कारण क्रू के लिए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिट (FDTL) की सीमा लागू हो गई, जिससे उड़ानों का संचालन संभव नहीं हो पाया। इसके अलावा, मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली दो उड़ानें भी देरी से रवाना हुईं। एयरलाइन के मुताबिक, इन उड़ानों पर भी पिछले स्टेशनों—वाराणसी और बागडोगरा—में खराब मौसम का असर पड़ा, जिसके चलते शेड्यूल प्रभावित हुआ। इस अचानक हुई अव्यवस्था के कारण मुंबई

एयरपोर्ट पर यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं। कई यात्रियों को अपने सामान के साथ घंटों इंतजार करना पड़ा और वे एयरलाइन स्टाफ से जानकारी लेने के लिए संघर्ष करते नजर आए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कुछ यात्री विमान के अंदर बैठकर देरी के कारणों को लेकर सवाल करते दिखाई दिए।स्थिति को संभालने के लिए एयरलाइन ने घोषणा की है कि प्रभावित यात्रियों की सुविधा के लिए 30 अप्रैल को अतिरिक्त उड़ानें संचालित की जाएंगी। कंपनी ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताते हुए उनकी समझदारी की सराहना की है।

व्लादिमीर पुतिन की शांति पहल,

डोनाल्ड ट्रंप का कड़ा जवाब

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

वैश्विक राजनीति के इस उबलते हुए दौर में एक दिलचस्प लेकिन खतरनाक विरोधाभास सामने आ गया है। एक ओर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन खुद को ईरान संकट का समाधानकर्ता बनाकर शांति की पहल कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ तौर पर पुतिन को आईना दिखाते हुए कहा है कि अगर सच में कुछ करना है तो यूक्रेन युद्ध खत्म करो। यानी एक तरफ शांति की पेशकश, दूसरी तरफ प्राथमिकताओं की टक्कर। हम आपको बता दें कि रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में हुई बैठक में पुतिन और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच बातचीत ने साफ कर दिया कि रूस खुद को इस संकट में निर्णायक भूमिका में देखना चाहता है। अराघची ने पुतिन का शुक्रिया अदा किया, क्योंकि रूस ने ईरान को समर्थन देने का वादा किया। पुतिन ने खुलकर कहा कि वह क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उनका यह संदेश पश्चिमी देशों के लिए सीधी चुनौती है कि मास्को ईरान के साथ मजबूती से खड़ा है, ठीक वैसे ही जैसे चीन और अन्य क्षेत्रीय सहयोगी। लेकिन इस पूरी कूटनीतिक तस्वीर में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब ट्रम्प और पुतिन के बीच फोन पर बातचीत हुई। पुतिन ने न केवल ईरान के परमाणु कार्यक्रम में मध्यस्थ बनने की पेशकश की, बल्कि यह भी कहा कि रूस ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को संभाल सकता है। करीब नौ सौ सत्तर पाउंड यूरेनियम को लेकर यह प्रस्ताव वैश्विक शक्ति संतुलन को बदलने की क्षमता रखता है। ट्रम्प ने इस पर ठंडा लेकिन तीखा जवाब दिया।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका पर ईरान का आरोप,

NPT मंच के दुरुपयोग का दावा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह परमाणु अप्रसार संधि (NPT) की समीक्षा बैठक का इस्तेमाल तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को गलत तरीके से पेश करने और अपने उल्लंघनों से ध्यान भटकाने के लिए कर रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। ईरानी मिशन ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि देश का समृद्ध यूरेनियम पूरी तरह अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) की निगरानी में है और अब तक ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं है, जिससे यह साबित हो कि परमाणु सामग्री का दुरुपयोग हुआ है। ईरान ने अमेरिका पर उसकी परमाणु गतिविधियों को "खतरे" के रूप में पेश करने का आरोप लगाया और इसे एक "राजनीतिक एजेंडा" करार दिया। बयान में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भी आलोचना की गई। ईरान ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, IAEA नेतृत्व और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने कथित "गैर-कानूनी हमलों" की निंदा करने में विफलता दिखाई है, जिससे पीड़ित और हमलावर की भूमिकाएँ उलटती नजर आती हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरवानी ने चेतावनी दी कि खाड़ी क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए ईरान के खिलाफ जारी "आक्रामकता" को समाप्त करना आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भविष्य में ऐसे कदमों को रोकने और ईरान की संप्रभुता का सम्मान सुनिश्चित करना जरूरी है। इरवानी ने यह भी कहा कि ईरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में नेविगेशन की स्वतंत्रता का समर्थन करता है, लेकिन क्षेत्र में बढ़ता सैन्य तनाव वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है।

संपादक की कलम से

भ्रष्टाचार आज भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक देशों के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है। यह एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो किसी भी राष्ट्र की प्रगति को अंदर ही अंदर खोखला कर देती है। चाहे सरकारी कार्यालय हों, शिक्षा व्यवस्था हो या निजी क्षेत्र—भ्रष्टाचार ने लगभग हर क्षेत्र में अपनी जड़ें फैला ली हैं। भ्रष्टाचार का अर्थ केवल रिश्वत लेना या देना ही नहीं है, बल्कि अपने पद और अधिकारों का गलत उपयोग करना भी इसी के अंतर्गत आता है। जब कोई अधिकारी या कर्मचारी अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए नियमों और कानूनों की अनदेखी करता है, तो यह सीधे तौर पर समाज और राष्ट्र दोनों के साथ अन्याय होता है। आज कई सरकारी योजनाएँ गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए बनाई जाती हैं, लेकिन भ्रष्टाचार के कारण उनका लाभ सही व्यक्ति तक नहीं पहुँच पाता। बीच में ही धन का दुरुपयोग हो जाता है, जिससे योजनाओं का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। यही कारण है कि विकास की गति धीमी हो जाती है और जनता में असंतोष बढ़ता है। भ्रष्टाचार के कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है नैतिक मूल्यों में गिरावट। जब व्यक्ति केवल धन और स्वार्थ को ही जीवन का लक्ष्य मान लेता है, तो वह गलत रास्ता अपनाने से भी नहीं हिचकिचाता। इसके अलावा, सख्त कानूनों के बावजूद उनका सही ढंग से पालन न होना भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता की कमी भी इस समस्या को बढ़ाती है। जब निर्णय लेने की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होती, तो भ्रष्टाचार के अवसर स्वतः ही बढ़ जाते हैं। साथ ही, आम जनता में जागरूकता की कमी भी एक बड़ा कारण है, क्योंकि कई बार लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने से डरते हैं या उदासीन रहते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए सबसे पहले नैतिक शिक्षा को मजबूत करना आवश्यक है। बच्चों को प्रारंभ से ही ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों का महत्व समझाया जाना चाहिए। शिक्षा प्रणाली में इन मूल्यों को शामिल करना समय की आवश्यकता है। सरकार को भी पारदर्शिता बढ़ाने के लिए तकनीक का अधिक उपयोग करना चाहिए। डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन सेवाएँ और ई-गवर्नेंस जैसे कदम भ्रष्टाचार को काफी हद तक कम कर सकते हैं। इसके साथ ही, भ्रष्टाचार के मामलों में कठोर दंड का प्रावधान होना चाहिए ताकि लोग गलत कार्य करने से डरें। आम जनता की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि समाज स्वयं भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूक और संगठित हो जाए, तो इस समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। हमें यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार केवल सरकार की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि भ्रष्टाचार विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा है। यदि हमें एक मजबूत, पारदर्शी और विकसित राष्ट्र का निर्माण करना है, तो हमें मिलकर इस बुराई के खिलाफ संघर्ष करना होगा। ईमानदारी और नैतिकता ही वह आधार हैं जिन पर एक सशक्त राष्ट्र की नींव रखी जा सकती है।

राजनाथ सिंह का सख्त संदेश
आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर लंबी जंग के लिए तैयार है। उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवाद का केंद्र बताया और स्पष्ट किया कि अब आतंकवाद और उसके समर्थकों के बीच कोई फर्क नहीं किया जाएगा।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को राजधानी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया। अपने तीखे और स्पष्ट वक्तव्य में उन्होंने कहा कि भारत अब किसी भी प्रकार के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और जरूरत पड़ने पर लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे भारत ने अपनी शर्तों पर स्वेच्छा से रोका था, न कि किसी दबाव में। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि आवश्यकता होती, तो देश लंबे समय तक युद्ध जारी रखने की क्षमता रखता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत की सैन्य शक्ति अब पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ हो चुकी है और देश के पास अचानक परिस्थितियों में अपनी ताकत को कई गुना बढ़ाने की क्षमता मौजूद है। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत की नई नीति को स्पष्ट करते हुए सिंह ने कहा कि अब आतंकवाद और उसे समर्थन देने वालों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बदलाव केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि नीतिगत स्तर पर भी है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की 'शून्य सहनशीलता' नीति ने देश को एक नई दिशा दी है और सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण को और अधिक सख्त बनाया है। पाकिस्तान पर सीधा निशाना साधते हुए रक्षा मंत्री ने उसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का केंद्र करार दिया। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि जहां भारत वैश्विक स्तर पर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है, वहीं पाकिस्तान "दूसरी तरह की आईटी" यानी अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का अड्डा बन चुका है। उनके इस बयान को कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने जोरदार समर्थन दिया। 'ऑपरेशन सिंदूर' को भारत की रणनीतिक सोच में एक बड़ा परिवर्तन बताते हुए सिंह ने कहा कि यह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करते हुए कहा कि यह समस्या तीन स्तरों—संचालन, विचारधारा और राजनीति—पर काम करती है। जब तक इन तीनों पहलुओं पर एक साथ कार्रवाई नहीं होगी, तब तक आतंकवाद का पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद को पोषण देने वाली विचारधारा और उसे मिलने वाला राजनीतिक संरक्षण ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। इसे उन्होंने 'रावण की नाभि' की संज्ञा दी और कहा कि जब तक इस स्रोत को खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक आतंकवाद का अंत नहीं होगा।अपने संबोधन में सिंह ने पाकिस्तान की ओर से दी जाने वाली परमाणु हमले की धमकियों को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि भारत ने इन "खोखली धमकियों" को कभी गंभीरता से नहीं लिया और हमेशा वही कदम उठाए जो राष्ट्रीय हित में आवश्यक थे।रक्षा मंत्री का यह बयान स्पष्ट संकेत देता है कि भारत अब अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि यदि कोई देश या संगठन भारत की ओर आंख उठाकर देखेगा, तो उसे कूटनीतिक नहीं बल्कि ठोस और निर्णायक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

एग्जिट पोल के बाद तेज हुई द्रविड़ मुनेत्र कषगम (DMK) की रणनीति

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कोडाइकनाल से चार दिन के विश्राम के बाद लौटते ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। यह बैठक 23 अप्रैल को हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद सामने आए एग्जिट पोल के नतीजों के मद्देनजर बुलाई गई, जिनमें पार्टी की दोबारा सत्ता में वापसी के संकेत दिए गए हैं।बैठक में द्रमुक के महासचिव दुरई मुरुगन, मंत्री एम. आर. के. पनीरसेल्वम और ई. वी. वेलु सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में मुख्य रूप से मतगणना दिवस की रणनीति और संगठनात्मक तैयारियों पर चर्चा की गई।सूत्रों ने बताया कि स्टालिन ने विशेष रूप से चार मई को होने वाली मतगणना को लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने पार्टी के बूथ एजेंटों और कार्यकर्ताओं को मतगणना केंद्रों पर पूरी सतर्कता और अनुशासन बनाए रखने को कहा, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से बचा जा सके।तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को संपन्न हुए थे, जबकि मतों की गिनती चार मई को सुबह आठ बजे से शुरू होगी। एग्जिट पोल में द्रमुक के पक्ष में माहौल दिखाई देने के बावजूद पार्टी नेतृत्व किसी भी तरह की ढिलाई के मूड में नहीं है और हर स्तर पर तैयारी सुनिश्चित करने में जुटा है। इसके साथ ही, पार्टी नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं को मतगणना के दौरान संयम बनाए रखने और आधिकारिक परिणामों का ही इंतजार करने की सलाह दी। नेताओं ने यह भी कहा कि जीत की स्थिति में जनसमर्थन के प्रति आभार व्यक्त करने की तैयारी भी समानांतर रूप से की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट में पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत
याचिका पर सुनवाई, फैसला सुरक्षित

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर गुरुवार को तीखी बहस हुई। असम पुलिस ने याचिका का कड़ा विरोध करते हुए खेड़ा पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पासपोर्ट से छेड़छाड़ और जालसाजी के गंभीर आरोप लगाए हैं। सुनवाई के बाद जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस ए.एस. चांदुरकर की पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। असम पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि खेड़ा ने विधानसभा चुनाव के दौरान सरमा की पत्नी पर आरोप लगाए और कथित तौर पर नकली पासपोर्ट दस्तावेज पेश किए। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये दस्तावेज फर्जी थे। मेहता ने यह भी दावा किया कि खेड़ा घटना के बाद से फरार हैं, हालांकि वे लगातार वीडियो जारी कर रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि उन्हें एफआईआर की जानकारी है। मेहता ने अदालत में कहा कि यह जांच जरूरी है कि पासपोर्ट में तस्वीर बदलने, क्यूआर कोड और मुहरों में छेड़छाड़ कैसे की गई और इसमें कौन-कौन शामिल हैं। उनके अनुसार, यह एक गैर-जमानती अपराध है और इसकी गहन जांच होनी चाहिए। वहीं, खेड़ा ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें हिरासत में लेकर "जलील" करने की आवश्यकता नहीं है। उनके वकील और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी कि अग्रिम जमानत एक मौलिक अधिकार है और यदि इसे नहीं दिया गया, तो इसका उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार पुलिस पर कार्रवाई के लिए दबाव बना रही है। उल्लेखनीय है कि खेड़ा ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें 24 अप्रैल को उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। इससे पहले तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें सात दिन की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी थी।

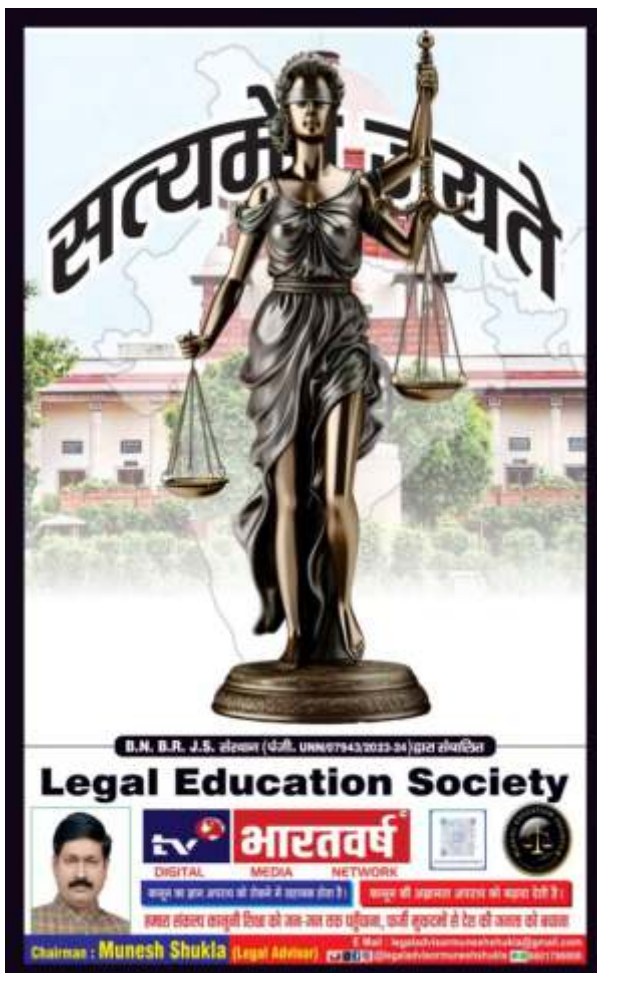

रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर, डॉलर के मुकाबले 95.34 तक गिरा

भारतीय मुद्रा बाजार में गुरुवार को भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जहां रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.01 प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन शुरुआती कारोबार के दौरान ही इसमें गिरावट तेज हो गई और यह 46 पैसे टूटकर 95.34 के ऐतिहासिक निचले स्तर तक पहुंच गया। दोपहर के सत्र में भी कमजोरी बनी रही और रुपया 37 पैसे गिरकर 95.25 प्रति डॉलर पर कारोबार करता रहा।गौरतलब है कि इससे पहले बुधवार को भी रुपया 20 पैसे कमजोर होकर 94.88 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। लगातार दूसरे दिन आई इस गिरावट ने बाजार में चिंता बढ़ा दी है। वैश्विक स्तर पर जारी भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें रुपये पर दबाव बना रही हैं। इस बीच, अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक हल्की गिरावट के साथ 98.79 पर रहा, जो 0.03 प्रतिशत नीचे था। हालांकि डॉलर में मामूली कमजोरी के बावजूद रुपये में गिरावट जारी रहना इस बात का संकेत है कि घरेलू और वैश्विक कारक मिलकर भारतीय मुद्रा को प्रभावित कर रहे हैं।घरेलू शेयर बाजारों में भी कमजोरी देखने को मिली। सेंसेक्स दोपहर के कारोबार में 687.75 अंक टूटकर 76,808.61 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 228.60 अंक गिरकर 23,949.05 पर आ गया। बाजार में इस गिरावट का एक बड़ा कारण विदेशी निवेशकों की बिकवाली को माना जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) ने बुधवार को 2,468.42 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी भी चिंता का कारण बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 3.46 प्रतिशत बढ़कर 122.11 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। भारत जैसे तेल आयात करने वाले देश के लिए यह स्थिति आर्थिक दबाव को बढ़ाने वाली है। रुपये की कमजोरी और कच्चे तेल की महंगाई का सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ता है। जब रुपया कमजोर होता है, तो आयातित वस्तुएं जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन और अन्य तकनीकी उत्पाद महंगे हो जाते हैं। वहीं, तेल की कीमतों में वृद्धि से परिवहन लागत बढ़ती है, जिसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है और महंगाई बढ़ने की संभावना रहती है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, जब तक वैश्विक स्तर पर स्थिरता नहीं आती और कच्चे तेल की कीमतों में नियंत्रण नहीं होता, तब तक रुपये पर दबाव बना रह सकता है। इसके अलावा, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता भी मुद्रा बाजार को प्रभावित करती रहेगी। कुल मिलाकर, रुपये की यह गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक चुनौती बनकर उभरी है। यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसका असर न केवल बाजारों पर बल्कि आम उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सरकार और रिजर्व बैंक के सामने मुद्रा को स्थिर बनाए रखने की बड़ी चुनौती होगी।

आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारत की शानदार जीत

भारत की पुरुष टेबल टेनिस टीम ने आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप सात के रोमांचक मुकाबले में स्लोवाकिया को 3-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और अगले मुकाबले से पहले अपनी स्थिति मजबूत कर ली।मुकाबले की शुरुआत स्लोवाकिया के पक्ष में रही। दुनिया के 149वें नंबर के खिलाड़ी लुबोमीर पिस्टेज ने भारतीय खिलाड़ी मानुष शाह को कड़े संघर्ष में 11-8, 5-11, 8-11, 11-5, 11-6 से हराकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद भारत के मानव ठक्कर ने शानदार वापसी करते हुए याकूब जेलिंका को सीधे गेम में 11-6, 11-8, 11-6 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि तीसरे मुकाबले में स्लोवाकिया ने फिर बढ़त बना ली, जब वांग यांग ने हरमीत देसाई को 16-14, 11-5, 11-9 से हराया। इस समय भारत 1-2 से पीछे था, लेकिन टीम ने दबाव में शानदार वापसी की।चौथे मुकाबले में मानव ठक्कर एक बार फिर संकटमोचक बने। उन्होंने लुबोमीर पिस्टेज को एकतरफा मुकाबले में 11-3, 11-3, 11-3 से हराकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। निर्णायक पांचवें मुकाबले में मानुष शाह ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए याकूब जेलिंका को 11-8, 11-8, 11-7 से हराकर भारत को 3-2 की महत्वपूर्ण जीत दिलाई। यह मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने दबाव में धैर्य और दृढ़ता का परिचय देते हुए जीत सुनिश्चित की। अब भारत का अगला मुकाबला ग्वाटेमाला से होगा, जहां टीम अपनी बढ़त को बनाए रखने की कोशिश करेगी।

थॉमस कप फाइनल्स क्वार्टर फाइनल में भारत की टक्कर चीनी ताइपे से

यूरोपीय टी20 लीग में साउथ अफ्रीकी सितारों की एंट्री

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व और वर्तमान क्रिकेट सितारों जोंटी रोड्स, फाफ डु प्लेसी और हेनरिक क्लासेन ने मिलकर यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में रोटरडम फ्रेंचाइजी खरीद ली है। यह टीम लीग के पहले सत्र में हिस्सा लेगी, जिसका आयोजन 26 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। ईटीपीएल का यह पहला संस्करण यूरोप में क्रिकेट को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। रोटरडम के अलावा इस लीग में ग्लास्गो, एम्सटर्डम, एडिनबर्ग, डबलिन और बेलफास्ट जैसे शहरों की फ्रेंचाइजियां भी हिस्सा लेंगी।फाफ डु प्लेसी ने इस अवसर को अपने करियर में एक अहम मोड़ बताते हुए कहा कि जोंटी रोड्स और हेनरिक क्लासेन के साथ मिलकर टीम का मालिक बनना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा, "टीम ओनरशिप की दिशा में यह मेरा पहला कदम है और इसका समय भी बेहद खास है, क्योंकि यूरोप में क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ रहा है।" इन दिग्गज खिलाड़ियों की भागीदारी से लीग की लोकप्रियता में इजाफा होगा और यूरोप में क्रिकेट को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। जोंटी रोड्स अपने शानदार फील्डिंग कौशल के लिए जाने जाते हैं, जबकि डु प्लेसी और क्लासेन आधुनिक क्रिकेट के आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल हैं। ईटीपीएल का उद्देश्य यूरोप में क्रिकेट के विकास को गति देना और स्थानीय प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना है।

कीरोन पोलार्ड ने जसप्रीत बुमराह का किया बचाव

"हर खिलाड़ी का खराब दिन होता है"

मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि हर खिलाड़ी का कभी न कभी खराब दिन आ सकता है और ऐसे समय में उन्हें समर्थन देने की जरूरत होती है। बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में बुमराह ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चार ओवर में 54 रन खर्च किए और कोई विकेट हासिल नहीं कर सके। इस मैच में हैदराबाद ने मुंबई को छह विकेट से हराया। यह बुमराह के आईपीएल करियर का तीसरा सबसे महंगा स्पेल रहा। पोलार्ड ने कहा कि बुमराह ने वर्षों से शानदार प्रदर्शन किया है और उन्हें एक खराब मैच के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "एक इंसान होने के नाते हर किसी को गलतियां करने और खराब दौर से गुजरने का अधिकार है। हमें उनकी पिछली उपलब्धियों को भी याद रखना चाहिए।"उन्होंने आगे कहा कि क्रिकेटर हमेशा लोगों की नजरों में रहते हैं, इसलिए उनका खराब प्रदर्शन अधिक चर्चा में आ जाता है। पोलार्ड के अनुसार, बुमराह लंबे समय से मुंबई इंडियन्स और भारतीय टीम के प्रमुख गेंदबाज रहे हैं और उन्होंने लगातार टीम के लिए अहम योगदान दिया है। पोलार्ड ने विश्वास जताया कि बुमराह जल्द ही अपनी लय में लौटेंगे और पहले की तरह मैच जिताने वाले प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, "मुझे भरोसा है कि वह और ऊंचाइयों तक पहुंचकर जोरदार वापसी करेंगे और फिर से 'बुमराह-बुमराह' के नारे गूंजेंगे।" मुंबई इंडियन्स के प्रदर्शन पर बात करते हुए पोलार्ड ने स्वीकार किया कि टीम अभी तक अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर तक नहीं पहुंच पाई है।

वेपिंग विवाद में फंसे रियान पराग, मैच फीस का 25% जुर्माना; बीसीसीआई सख्त

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के मामले में मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई उन्हें मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान कैमरे पर ई-सिगरेट (वेपिंग) करते हुए पकड़े जाने के बाद की गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनकी कड़ी आलोचना हुई। मैदानी अंपायर तन्मय श्रीवास्तव और नितिन मेनन ने शुरुआत में इस घटना की शिकायत नहीं की थी, लेकिन वीडियो साक्ष्य सामने आने के बाद मामला मैच रेफरी अमित शर्मा के पास पहुंचाया गया। जांच के बाद पराग को आईपीएल आचार संहिता के तहत दोषी पाया गया। लेवल-1 के अपराध के तहत उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत काटा गया और एक डिमेरिट अंक भी दिया गया। आईपीएल के आधिकारिक बयान के अनुसार, पराग ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और सजा को मान लिया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने भी स्पष्ट किया है कि खेल की साख बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जा सकती है और टीम के खिलाफ भी कदम उठाने पर विचार किया जा रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। गौरतलब है कि भारत सरकार ने 2019 में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा रखा है, जिसके तहत इसका उत्पादन, बिक्री और वितरण अवैध है। ऐसे में एक पेशेवर खिलाड़ी द्वारा सार्वजनिक रूप से वेपिंग करना गंभीर माना गया।आईपीएल आचार संहिता के नियम 2.21 के अनुसार, ऐसा कोई भी व्यवहार जो खेल की छवि को नुकसान पहुंचाता है, दंडनीय है। पराग का मामला लेवल-1 का अपराध माना गया, इसलिए विस्तृत सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। यह इस सीजन में राजस्थान रॉयल्स से जुड़ा पहला विवाद नहीं है। इससे पहले टीम मैनेजर रोमी भिंडर पर भी डगआउट में मोबाइल फोन के उपयोग के कारण जुर्माना लगाया गया था। अब रॉयल्स की टीम अगले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेगी।

चीन की यूनिवर्सिटी में मशीन की हरकत से मचा हड़कंप

बेकाबू रोबोट ने लड़की को बाहों में भरा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के इस दौर में जहां मशीनें इंसानों जैसे काम करने लगी हैं, वहीं उनके अनियंत्रित व्यवहार को लेकर चिंता भी बढ़ रही है.

- **स्टाफ ने तुरंत रोबोट को छात्रा से अलग किया**
- **रोबोट की इस हरकत ने विशेषज्ञों को चौंकाया**

इंसानी जिंदगी में ह्यूमेनॉइड रोबोट का दखल तेजी से बढ़ रहा है. अब ये सिर्फ मशीनें नहीं रह गईं, बल्कि ऐसे काम भी करने लगी हैं जो पहले इंसान ही किया करते थे.

यानी ह्यूमेनॉइड रोबोट अब डिलीवरी भी कर रहे हैं, वेटर का काम भी संभाल रहे हैं, कुंग फू दिखा रहे हैं और डांस भी कर रहे हैं, लेकिन मामला सिर्फ इतना ही नहीं है. कुछ ऐसी घटनाएं भी सामने आ रही हैं, जहां ह्यूमेनॉइड रोबोट ऐसी हरकतें कर बैठते हैं जो खबरों में चर्चा का विषय बन जाती हैं. ये व्यवहार कई बार इंसानों जैसा लगता है. हाल ही में कुछ ऐसा ही मामला हुआ. चीन के शानक्सी प्रांत में एक यूनिवर्सिटी के डांस इवेंट के दौरान ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया. कार्यक्रम में प्रदर्शन कर रहा एक ह्यूमेनॉइड रोबोट अचानक एक छात्रा के पास पहुंच गया और उसे कसकर गले लगा लिया. यह पूरी तरह अनियोजित था, क्योंकि रोबोट को सिर्फ डांस परफॉर्मेंस के लिए प्रोग्राम किया गया था. स्टाफ ने तुरंत दखल देते हुए रोबोट को छात्रा से अलग किया. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया. इस वीडियो के सामने आते ही चीनी सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई. लोग सवाल उठाने लगे कि क्या रोबोट ने खुद से यह व्यवहार किया या फिर यह किसी तकनीकी गड़बड़ी या ऑपरेटर के कंट्रोल में समस्या का नतीजा था.

रोबोट्स के इस्तेमाल में कई चुनौतियां

इन घटनाओं ने साफ कर दिया है कि पब्लिक स्पेस में रोबोट्स के इस्तेमाल के दौरान अभी भी कई तकनीकी चुनौतियां मौजूद हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी घटनाएं सॉफ्टवेयर ग्लिच, सेंसर एरर या रिमोट कंट्रोल में गड़बड़ी के कारण हो सकती हैं.

हांगकांग: कार्डबोर्ड के बॉक्स में दिन गुजारते हैं मजदूर

दुनिया के सबसे अमीर शहरों में गिने जाने वाले हांगकांग से एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में घरेलू कामगार महिलाओं को पुलों और अंडरपास के नीचे कार्डबोर्ड के अस्थायी 'घर' बनाकर बैठते और आराम करते देखा जा सकता है. यही वजह है कि यह वीडियो चर्चा का विषय बन गया है. वीडियो को इंस्टाग्राम पर एक कंटेंट क्रिएटर राफा (Rapha) ने शेयर किया.

रील के चक्कर में भारी पड़ा स्टंट

सिर में फंसी दूध की केन, मुश्किल से बची जान

हिमांशु शर्मा, आजतक

रील का दौर है. हर कोई चाहता है कि उसका वीडियो अलग हो और तेजी से वायरल हो जाए. इसी कोशिश में लोग नए और अजीब आइडिया अपनाते हैं, ताकि उनका कंटेंट दूसरों से अलग दिखे. लेकिन कई बार यही एक्सपेरिमेंट जोखिम भरा साबित होता है. वीडियो बनाने की कोशिश में ही ऐसी स्थिति बन जाती है कि वही घटना खबर बन जाती है. राजस्थान में सामने आया यह मामला भी कुछ ऐसा ही है. यह घटना अलवर के माचोगढ़ गांव की है, जो अकबरपुर थाना क्षेत्र में आता है. युवक की पहचान कालूराम के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि वह गेहूं बेचने जा रहा था, तभी रास्ते में उसने रील बनाने का सोचा. तेज गर्मी से बचने और अलग कंटेंट बनाने के लिए कालूराम ने 15 लीटर का दूध का डिब्बा अपने सिर पर रख लिया, लेकिन कुछ ही सेकंड में डिब्बा उसके सिर में इस तरह फंस गया कि वह खुद निकाल नहीं पाया.

बुजुर्ग दुकानदार की पहल वायरल

गर्मी से बचने के लिए कुत्तों को दुकान में दी पनाह

भीषण गर्मी में जहां लोग खुद ठंडी जगह ढूंढ रहे हैं, वहीं एक दुकानदार का छोटा सा कदम इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गया है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर वायरल एक वीडियो में देखा जा सकता है कि एक दुकानदार ने आवारा कुत्तों के लिए अपनी दुकान के दरवाजे खोल दिए.

वीडियो में एक पूरी तरह भरी हुई दुकान के अंदर करीब नौ से दस कुत्ते आराम करते नजर आते हैं. कुछ फर्श पर लेटे हैं, जबकि दो कुत्ते मेज पर ही गोल होकर सो रहे हैं. इतनी संख्या होने के बावजूद दुकान में भीड़ या अफरा-तफरी जैसा कोई माहौल नहीं दिखता. इस वीडियो की सबसे खास बात है वहां का सुकून. कुत्ते न भौंक रहे हैं, न इधर-उधर भाग रहे हैं. वे पूरी तरह शांत नजर आते हैं, जैसे उन्हें बाहर की तेज गर्मी से राहत मिल गई हो.

बैकग्राउंड में कुछ लोग भी बैठे दिखाई देते हैं, जो बिना किसी परेशानी के अपने काम में लगे हैं. पोस्ट के कैप्शन में बताया गया कि दुकानदार ने गर्मी से बचाने के लिए कुत्तों को अंदर आने दिया. वे दुकान में ऐसे आराम कर रहे हैं, जैसे यह उनका अपना घर हो. यह कोई बड़ा रेस्क्यू नहीं, बल्कि रोजमर्रा की एक साधारण लेकिन असरदार इंसानियत का उदाहरण है. वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर जमकर प्रतिक्रिया दी. कई लोगों ने इसे दिल छू लेने वाला और सुकून देने वाला बताया.

माइकल जैक्सन बायोपिक 'माइकल' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाई धूम,

रिकॉर्ड ओपनिंग से आलोचकों को दिया जवाब

निर्देशक एंटोनी फुक्वा की बहुप्रतीक्षित फिल्म माइकल ने रिलीज होते ही वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। जाफर जैक्सन (माइकल जैक्सन के भतीजे) की मुख्य भूमिका वाली इस बायोपिक ने न केवल दर्शकों का दिल जीता, बल्कि आलोचकों की शंकाओं को भी पीछे छोड़ दिया। फिल्म ने रिलीज के पहले ही सप्ताह में लगभग 217 मिलियन डॉलर (करीब ₹1,800 करोड़) की कमाई कर एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। अमेरिकी बाजार में इसने 97 मिलियन डॉलर का कारोबार किया, जबकि भारत में भी फिल्म ने लगभग ₹25 करोड़ की कमाई दर्ज की। खास बात यह रही कि IMAX स्क्रीनिंग से ही फिल्म ने 24.5 मिलियन डॉलर की कमाई कर ली, जो किसी म्यूजिकल बायोपिक के लिए अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग मानी जा रही है। इस उपलब्धि के साथ फिल्म ने 2015 की चर्चित फिल्म स्ट्रेट आउट्टा कॉम्प्टन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। फिल्म की सफलता के पीछे कई अहम कारण माने जा रहे हैं। सबसे बड़ा कारण है दर्शकों का भावनात्मक जुड़ाव। भले ही कुछ आलोचकों ने फिल्म पर माइकल जैक्सन के विवादित पहलुओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया हो, लेकिन दर्शकों ने इसे एक कलाकार के जीवन के जश्न के रूप में स्वीकार किया है। CinemaScore पर फिल्म को 'A-माइनस' ग्रेड मिला है, जो इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है।संगीत और प्रस्तुति भी फिल्म की सफलता का बड़ा कारण हैं। माइकल जैक्सन के मशहूर गानों—'बिली जीन', 'थ्रिलर' और 'बीट इट'—के शानदार रीक्रिएशन ने सिनेमाघरों को एक लाइव कॉन्सर्ट जैसा अनुभव दे दिया है। खासकर IMAX में इन गानों को देखना दर्शकों के लिए बेहद खास अनुभव साबित हो रहा है।फिल्म को लायंसगेट के लिए भी बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। हाल के वर्षों में कुछ असफल फिल्मों के बाद स्टूडियो को एक बड़ी हिट की जरूरत थी, जिसे 'माइकल' ने पूरा कर दिया है। इस फिल्म ने न केवल स्टूडियो की स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए भी सकारात्मक माहौल बनाया है। इसके अलावा, फिल्म की रिलीज का समय भी इसके पक्ष में गया। जब सिनेमाघरों में पहले से ही बड़ी फिल्मों के कारण दर्शकों की भीड़ थी, उसी समय 'माइकल' ने इस माहौल का पूरा फायदा उठाया। भारत में भी बड़ी फिल्मों की कमी के चलते इसे लंबे समय तक अच्छा प्रदर्शन करने का मौका मिल सकता है।कुल मिलाकर, 'माइकल' ने यह साबित कर दिया है कि समय बीतने के बावजूद माइकल जैक्सन की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। दर्शकों की भारी भीड़ और सकारात्मक प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि 'किंग ऑफ पॉप' आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं, और जाफर जैक्सन इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रहे हैं।

हर दिन जाम से जूझ रही हजारों की आबादी

लखनऊ में ट्रैफिक पुलिस की अस्थायी व्यवस्था बनी मुसीबत

लखनऊ में कमता-पॉलिटेक्निक रूट पर ट्रैफिक पुलिस की नई व्यवस्था से जाम और बढ़ गया है। यू-टर्न बंद होने से लोगों को लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। 10 मिनट का सफर 30 मिनट में तय हो रहा है, जिससे हजारों लोगों को रोज भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में हाईकोर्ट के आसपास ट्रैफिक जाम की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। पॉलिटेक्निक चौराहे से कमता, चिनहट और किसान पथ तक करीब 6 किलोमीटर लंबे रूट पर सुबह से लेकर रात तक गाड़ियां रेंगती नजर आती हैं। जाम के कारण आम लोगों का दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, लेकिन अब तक इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। इस समस्या को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच कई बार सख्ती दिखा चुकी है। कोर्ट ने लोक निर्माण विभाग (PWD), लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA), लखनऊ मेट्रो और नगर निगम के अधिकारियों को तलब कर एक्शन प्लान मांगा, लेकिन हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ। जाम से राहत देने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने कमता चौराहे पर नई व्यवस्था लागू की, जिसके तहत पॉलिटेक्निक की ओर से आने वाले वाहनों के लिए फ्लाईओवर के नीचे यू-टर्न बंद कर दिया गया और बैरिकेडिंग कर दी गई। हालांकि यह व्यवस्था लोगों के लिए राहत की बजाय नई परेशानी बन गई है।नई ट्रैफिक व्यवस्था के कारण इंदिरानगर सेक्टर-11, तकरोही और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाली करीब डेढ़ लाख की आबादी को अब अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लगभग 5 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। पहले जहां लोग आसानी से यू-टर्न लेकर अपने रास्ते पर निकल जाते थे, अब उन्हें लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है, जिससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि 10 मिनट का सफर अब 30 मिनट में पूरा हो रहा है। कई लोगों ने सुझाव दिया कि पॉलिटेक्निक से कमता के बीच एक अतिरिक्त कट या यू-टर्न की व्यवस्था की जानी चाहिए, जिससे ट्रैफिक का दबाव कम हो सके। एक निवासी ने बताया कि उनका घर डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान से महज 500 मीटर दूर है, लेकिन नई व्यवस्था के कारण उन्हें वहां पहुंचने के लिए 4 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। पटरी दुकानदार संघ से जुड़े अनिल कुमार पांडेय ने भी इस व्यवस्था पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि कमता चौराहे पर लागू किए गए डायवर्जन ने इलाके के लोगों की परेशानी बढ़ा दी है और हर दिन जाम की स्थिति और बिगड़ती जा रही है।इस अव्यवस्था के कारण न केवल लोगों का समय बर्बाद हो रहा है, बल्कि ईंधन की खपत भी बढ़ रही है, जिससे प्रदूषण स्तर में इजाफा हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अस्थायी उपायों से समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए दीर्घकालिक योजना, बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन और वैकल्पिक मार्गों का विकास जरूरी है। फिलहाल, लखनऊ के इस प्रमुख मार्ग पर जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है और लोगों को रोजाना भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

लखनऊ में बदला मौसम पुरवा हवा से मिली राहत

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में सुबह से पुरवा ठंडी हवा चल रही है। बुधवार दोपहर बाद आई आंधी और हल्की बारिश के बाद मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आज गुरुवार को भी बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग की ओर से आंधी आने और हल्की बारिश का यलो अलर्ट जारी है। पिछले 4 दिन में तापमान 9 डिग्री सेल्सियस तक गिर चुका है। बुधवार को अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।अधिकतम आर्द्रता 72 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 23 फीसदी रही। 26 अप्रैल को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस था। वहीं, आज अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के ऊपर नहीं जाएगा। मौसम विभाग ने बताया कि लखनऊ समेत उत्तर प्रदेश में में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। तापमान में तेज गिरावट दर्ज होने से प्रदेश को भीषण गर्मी और लू से राहत मिली है। फिलहाल, प्रदेश में लू की स्थिति लगभग समाप्त हो गई है। लखनऊ समेत प्रदेश के कई अन्य हिस्सों में भी 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं दर्ज की गईं। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बेमौसम बारिश का यह दौर शुक्रवार तक जारी रह सकता है। इससे मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश के इलाकों में अगले 24 घंटे में तापमान 2 से 4 डिग्री तक और गिर सकता है। मई की शुरुआत के 2-3 दिनों में बारिश कम होगी। उसके बाद 4-5 मई को अगला पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होगा। इसके असर से लखनऊ समेत प्रदेश में फिर से बारिश बढ़ने और तापमान में दोबारा गिरावट आने की संभावना है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर रनवे पर बंदर आने से टला बड़ा हादसा, फ्लाइट डेढ़ घंटे देरी से रवाना

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया, जब टेकऑफ से ठीक पहले रनवे पर अचानक एक बंदर आ गया। यह घटना उस समय हुई, जब इंडिगो की फ्लाइट 6E-6521 रायपुर के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी। विमान में 135 यात्री सवार थे। सूत्रों के अनुसार, सुबह करीब 8:55 बजे फ्लाइट रनवे पर टेकऑफ के लिए आगे बढ़ चुकी थी, तभी पायलट की नजर अचानक रनवे पार करते एक बंदर पर पड़ी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को सूचित किया। पायलट की सतर्कता और सूझबूझ के चलते एक बड़ा हादसा टल गया। इसके बाद विमान को तुरंत टैक्सी-वे पर लाया गया और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत पूरी जांच की गई। इस दौरान एयरपोर्ट प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। सुरक्षा में तैनात 'फॉलो मी' वाहन के कर्मचारियों ने बंदर को रनवे से हटाने के लिए कार्रवाई शुरू की। बताया गया कि बंदर करीब एक घंटे तक रनवे और आसपास के क्षेत्र में उछल-कूद करता रहा, जिसके बाद उसे किसी तरह भगाया जा सका। घटना के बाद फ्लाइट को दोबारा रिपोजिशन किया गया और ATC से क्लीयरेंस मिलने के बाद लगभग सवा घंटे की देरी से सुबह 10:05 बजे रायपुर के लिए रवाना किया गया। अचानक ब्रेक लगने से विमान में बैठे यात्री और क्रू मेंबर कुछ देर के लिए घबरा गए थे,

लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गईहालांकि, एयरपोर्ट के आधिकारिक प्रवक्ता ने इस घटना से इनकार किया है। वहीं स्थानीय सूत्रों का कहना है कि बंदर एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल के पास स्थित रहीमाबाद गांव की दिशा में भाग गया।यह घटना एक बार फिर एयरपोर्ट सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, खासकर रनवे जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में वन्यजीवों की मौजूदगी को लेकर।

लखनऊ में RSS के कार्यक्रम में हंगामा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के मौके पर मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने के लिए आरएसएस के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर पहुंचे। इस मौके पर यूजीसी के मुद्दे को लेकर हंगामे जैसा माहौल बन गया। नरेंद्र ठाकुर सवालों के जवाब नहीं दे पाए। संवाद में यह सवाल उठा कि आरएसएस यूजीसी के मुद्दे पर कोई आंदोलन क्यों नहीं कर रहा? इस पर नरेंद्र ठाकुर ने कहा कि आरएसएस खुद कोई आंदोलन नहीं करता। उसका ऐसा कोई इतिहास नहीं है। यह भी कहा कि यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, इसलिए इस पर कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती है। इसको लेकर लोगों ने तर्क दिया कि आरएसएस ने ही राम मंदिर का आंदोलन किया। जब राम मंदिर का मुद्दा कोर्ट में चल रहा था, तब भी आरएसएस का आंदोलन जारी था। इससे पहले मुख्य वक्ता अखिल भारतीय सह-प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर ने

संघ की कार्यशैली और विचारधारा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ की कार्यपद्धति समय के साथ विकसित हुई है, लेकिन इसकी मूल भावना समाज को संगठित करने की रही है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के मन में स्पष्ट लक्ष्य था, लेकिन उन्होंने अपने विचारों को सहयोगियों के साथ साझा कर सामूहिक रूप से आगे बढ़ाया। ठाकुर ने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने हमेशा इस बात पर जोर दिया कि कार्य को कैसे बढ़ाया जाए, कौन से प्रयोग किए जाएं और समाज को जोड़ने के लिए कौन-कौन से कार्यक्रम चलाए जाएं। उनका लक्ष्य संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करना हैं , ताकि देश की बुनियाद मजबूत हो सके।

लखनऊ के मलिहाबाद में

'महाराजा मल्हिया पासी स्मृति द्वार' फिर स्थापित

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के मलिहाबाद में एक हफ्ते से चल रहे 'महाराजा मल्हिया पासी स्मृति द्वार' विवाद के बीच गेट लगा दिया गया। गुरुवार सुबह प्रशासन ने गेट को दोबारा उसी जगह पर लगवा दिया। 22-23 अप्रैल की रात इसे प्रशासन ने रातों-रात हटाया दिया था। इस पूरे मामले को लेकर बीजेपी के नेता धरने पर बैठे हुए थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और विधायक जय देवी के नेतृत्व में सैकड़ों लोग 7 दिनों से 'प्रवास अनशन' पर बैठे थे। अब गेट लगने के बाद प्रवास धरना खत्म हो गया है। लेकिन, इलाके में पुलिस-प्रशासन अलर्ट है। पूर्व मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि गेट को पुनः लगाए जाने से पासी समाज का खोया हुआ सम्मान वापस लौटा है और उनके साथ हुआ अपमान दूर हुआ है। उन्होंने इस मुद्दे में शामिल सभी संगठनों का धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि ब्राह्मण समाज, क्षत्रिय समाज, वैश्य समाज, मुस्लिम समाज समेत अन्य समाजों के लोगों ने भी इसमें आकर पूरा समर्थन दिया। लखन आर्मी संगठन के सूरज पासी ने कहा कि दोबारा बोर्ड लगाए जाने से बेहद खुशी है। उन्होंने सांसद, विधायक और समाज के सभी संगठनों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने सोच-समझकर गेट को फिर से लगवाया है। उन्होंने पुलिस से अपील की कि आरोपियों की पहचान सार्वजनिक की जाए।

लखनऊ में निर्माणाधीन अस्पताल की दीवार गिरी, एक मजदूर की मौत, एक घायल

राजधानी लखनऊ के विभूतिखंड इलाके में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब निर्माणाधीन अस्पताल की दीवार अचानक गिर गई। यह घटना एनटीपीसी बिल्डिंग और साइबर हाइट्स के पास उस समय हुई, जब मजदूर नींव के पास खुदाई का काम कर रहे थे। खुदाई के दौरान दीवार के पीछे की मिट्टी अचानक खिसक गई, जिससे दो मजदूर मलबे में दब गए।हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद एक मजदूर को अचेत अवस्था में बाहर निकाला गया, जबकि दूसरे को हल्की चोटों के साथ सुरक्षित निकाल लिया गया। गंभीर रूप से घायल मजदूर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।विभूतिखंड थाने के इंस्पेक्टर अमर सिंह के अनुसार, मृतक की पहचान बाराबंकी के रामनगर निवासी 35 वर्षीय लक्ष्मी शंकर अवस्थी के रूप में हुई है। वहीं, उनके साथी तुलसीराम को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों मजदूर नींव की सफाई कर रहे थे, तभी अचानक मिट्टी खिसकने से वे दब गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद शुरू की और करीब 30 मिनट तक हाथों से मिट्टी हटाकर उन्हें निकालने की कोशिश करते रहे। हालांकि पुलिस और राहत टीम के पहुंचने में कुछ समय लगा। इस घटना के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के अपर सचिव सीपी त्रिपाठी ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जिस जमीन पर निर्माण कार्य चल रहा था,

उसका नक्शा प्राधिकरण से स्वीकृत है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। यह हादसा निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े करता है। उचित सुरक्षा उपायों की अनदेखी ऐसे हादसों का प्रमुख कारण बनती है।

अंधे मोड़ पर ओवरलोड डंपर का कहर

बोलेरो पर पलटने से 6 की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

बिहार-बक्सर मार्ग पर ओवरलोड डंपर हादसे का कारण बन रहे हैं। उन्नाव जिले में कीरतपुर गांव के पास खरही पुल के अंधे मोड़ पर बोलेरो पर पलटने वाले डंपर में गिट्टी लदी थी। इतना ही नहीं उसकी रफ्तार भी तेज थी। इस मार्ग पर रोजाना सैकड़ों की संख्या में मौरंग और गिट्टी लदे ओवरलोड डंपर निकलते हैं जो बांदा और हमीरपुर से माल लेकर लखनऊ, रायबरेली, बाराबंकी, बहराइच और अयोध्या जाते हैं। बिहार थाना क्षेत्र के कीरतपुर के पास जहां घटना हुई वहां अंधा मोड़ है। यहां अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। पीडब्ल्यूडी विभाग ने पहले मोड़ पर संकेतक लगाया था जो टूट गया था। इससे दूर क्षेत्र से आने वाले चालकों को इसका पता नहीं होता और घटनाएं हो जाती है। अगर संकेतक लग जाए तो दुर्घटनाएं बच सकती हैं। दुर्घटनाओं को देखते हुए क्षेत्रीय लोगों ने कई बार इस मार्ग पर ब्रेकर बनवाने की मांग की, लेकिन उच्चाधिकारियों ने नहीं सुनी। बिहार-बक्सर मार्ग पर कीरतपुर गांव के पास हुए हादसे की सूचना पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जिला अस्पताल पहुंच घायलों का हाल जाना। जिलाधिकारी ने इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही न करने के निर्देश दिए। उधर, कागजी कार्रवाई पूरी करने में समय लगने से शाम पांच बजे पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू हो सकी। हादसे

में घायलों का हाल जानने के लिए जिलाधिकारी घनश्याम मीणा, पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह जिला अस्पताल पहुंचे। घायलों का हाल जानने के बाद एसीएमओ डॉ. हरिनंदन प्रसाद और सीएमएस डॉ. राजीव गुप्ता को निर्देश दिए कि घायलों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। मेडिकोलीगल में सभी चोटों को स्पष्ट दिखाया जाए। मौजूद स्टाफ से घायलों का सही हालचाल जानने के निर्देश दिए। उधर, एसीएमओ डॉ. नरेंद्र सिंह ने पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच कागजी प्रक्रिया जल्द पूरी कराने को कहा, तब शाम पांच बजे पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू हो पाई। दुर्घटना की सूचना पर सीओ मधुपनाथ मिश्रा, बिहार थानाध्यक्ष राहुल सिंह, बारासगवर एसओ धर्मेंद्रनाथ मिश्रा, बीघापुर एसओ राजपाल मौके पर पहुंचे। बिहार-बक्सर मार्ग पर कीरतपुर के पास बोलेरो पर डंपर गिरने से हुई छह मौतों में घटना के समय बोलेरो में दो बच्चे सहित 11 लोग सवार थे जबकि उसमें सात लोगों के ही बैठने की परमिशन होती है। इसके बाद भी मानकों को ताक पर रखकर लोगों को बिठाया गया था। अगर कम लोग होते तो शायद कुछ लोगों की जान बच सकती थी।बिहार-बक्सर मार्ग पर कीरतपुर गांव के पास हुए हादसे के बाद पठई गांव में मुंडन के बाद होने वाली दावत की तैयारी धरी रह गई। परिजन और रिश्तेदार जो मुंडन में शामिल होने गए थे। उन सभी का शाम को खाना था। नरेंद्र सिंह ने बताया कि खाने के लिए हलवाई भी लगाया था। इसलिए सुबह जल्दी मुंडन की प्रक्रिया पूरी कराई थी, ताकि सभी के आने के बाद हलवाई अपना काम शुरू कर सकें। लेकिन उससे पहले ही यह घटना हो गई और दावत की तैयारी धरी रह गई।

दोबारा सूची में शामिल करने वाले सचिव पर प्राथमिकी दर्ज की गई

रैनापुर निवासी शाहीन बेगम ने परियोजना निदेशक डीआरडीए को शिकायतीपत्र देकर बताया था कि उनका चयन मुख्यमंत्री आवास योजना में निराश्रित महिला श्रेणी में हुआ था लेकिन खाते में धनराशि नहीं आई। परियोजना निदेशक ने बीडीओ नवाबगंज से जांच कराई तो पता चला कि शाहीन बेगम को 10 साल पहले इंदिरा आवास योजना के तहत 70000 रुपये मिले थे। मकान भी पक्का बना था। इसके बाद भी ग्राम विकास अधिकारी सुशील कुमार ने दोबारा वर्ष 2025-26 में निराश्रित महिला श्रेणी में आवास के लिए चयनित कर लिया। यही नहीं गांव की आफरीन पत्नी कुदरत अली, बदरुन्निसा पत्नी हनीफ, गंगाजली पत्नी रामपाल और शांति पत्नी प्रकाश को लगभग पांच वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री आवास मिल चुका था। इनको भी निराश्रित महिला श्रेणी में शामिल करके दोबारा से मुख्यमंत्री आवास के लिए चयनित किया था। शाहीन को छोड़कर अन्य सभी को योजना की पहली किस्त प्रति आवास 40000 रुपये उनके खातों में भेज भी दी गई। प्रभारी बीडीओ नवाबगंज शशांक चौधरी ने सचिव के खिलाफ अजगैन कोतवाली में तहरीर दी। कोतवाली प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आक्रोशित परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस के अंदर तोड़फोड़ की

उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में बुधवार रात एक सड़क हादसे में 40 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पिपरी गांव मोड़ के पास भूसा लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक की टक्कर हो गई, जिसमें कुंवारिया खेड़ा निवासी रामू पासी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। रामू पासी दिल्ली में निजी नौकरी करते थे और हाल ही में अपने छोटे भाई सुशील की शादी में शामिल होने घर आए थे। 27 अप्रैल को सुशील की शादी संपन्न हुई थी। बुधवार रात रामू अपने जीजा को बनी गांव छोड़कर पल्सर बाइक से वापस घर लौट रहे थे।पिपरी गांव मोड़ के पास पहुंचते ही सामने से आ रही भूसा लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रामू की मौके पर ही मौत हो गई और बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार को जब परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, तो वहां किसी ने मृतक के शराब के नशे में होने की बात कही। इस बात से आक्रोशित परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया और पोस्टमार्टम हाउस के अंदर तोड़फोड़ की। उन्होंने दरवाजों समेत अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया। स्थिति बिगड़ती देख सदर कोतवाली और गंगाघाट कोतवाली पुलिस को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने किसी तरह समझा-बुझाकर परिजनों को शांत कराया और हालात पर काबू पाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

चमके सेंट लारेंस के छात्र जश्न का माहौल

उन्नाव जिले में काउंसिल फार द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन की ओर से आईसीएसई (कक्षा 10) और आईएससी (कक्षा 12) के बृहस्पतिवार को जारी हुई परीक्षा परिणाम में सेंट लॉरेंस स्कूल के छात्रों का दबदबा रहा। सेंट लारेंस स्कूल के आईसीएसई में आनंदी निगम ने 98.20 फीसदी अंक के साथ जिला टॉप किया है। इसी के साथ छात्र सूरज साहू ने 99.25 अंक लाकर आईएससी में जिला टॉप किया है। परिणाम आने के बाद छात्रों ने कैफे व विद्यालय में काउंसिल की वेबसाइट से रिजल्ट देखा। स्कूलों को अपने छात्रों का रिजल्ट और टेबुलेशन रजिस्टर पोर्टल पर उपलब्ध कराया गया। प्राचार्यों ने अपने आईडी और पासवर्ड से पोर्टल में लॉगिन कर रिजल्ट देखा।

जिला अस्पताल की ओपीडी व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में

उन्नाव जिला अस्पताल की ओपीडी व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। गुरुवार को एक मरीज ने डॉक्टर के कक्ष के बाहर का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में ओपीडी के बाहर मरीजों की लंबी कतार दिख रही है, जबकि डॉक्टर अपनी कुर्सी पर मौजूद नहीं थे। मरीज ने आरोप लगाया कि भीड़ अधिक होने के कारण डॉक्टर ओपीडी छोड़कर चले गए। यह वीडियो कथित तौर पर डॉक्टर बृज कुमार की ओपीडी के बाहर का बताया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप मच गया। मरीजों का कहना है कि उन्हें घंटों लाइन में खड़े रहना पड़ता है, लेकिन कई बार डॉक्टर समय पर उपलब्ध नहीं होते, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। हालांकि, इस पूरे मामले में अस्पताल प्रशासन ने आरोपों को खारिज किया है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) राजू गुप्ता ने बताया कि संबंधित डॉक्टर सुबह से ही अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। सीएमएस ने कहा कि संभव है कि डॉक्टर कुछ समय के लिए इमरजेंसी वार्ड में किसी गंभीर मरीज को देखने चले गए हों, जिसके कारण ओपीडी कक्ष कुछ देर के लिए खाली रह गया। उन्होंने यह भी बताया कि जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या अधिक रहती है और डॉक्टरों को कई बार एक साथ ओपीडी और इमरजेंसी दोनों की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। ऐसे में कभी-कभी इस तरह की स्थिति बन जाती है। वहीं, इस घटना के बाद मरीजों और तीमारदारों ने अस्पताल की व्यवस्था में सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि यदि डॉक्टरों को इमरजेंसी में जाना पड़ता है तो ओपीडी में वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि मरीजों को लंबा इंतजार न करना पड़े। फिलहाल, वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

2019 बयान केस में ओमप्रकाश राजभर पर गैरजमानती वारंट

ओमप्रकाश राजभर ने कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (BJP) के नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। इतना ही नहीं, उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने मंच से जूता मारने जैसी धमकी दी थी, जो कानून व्यवस्था और आचार संहिता दोनों के उल्लंघन की श्रेणी में आता है।

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले से एक अहम कानूनी कार्रवाई सामने आई है, जहां मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (MP-MLA) डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह की अदालत ने कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के खिलाफ गैरजमानती वारंट (NBW) जारी कर दिया है। यह मामला लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान दिए गए एक विवादित बयान से जुड़ा हुआ है, जिसमें उन पर भाजपा नेताओं के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा इस्तेमाल करने और धमकी देने का आरोप है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान रतनपुरा बाजार में एक जनसभा आयोजित की गई थी। इस सभा में ओमप्रकाश राजभर ने कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (BJP) के नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। इतना ही नहीं, उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने मंच से जूता मारने जैसी धमकी दी थी, जो कानून व्यवस्था और आचार संहिता दोनों के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। इस मामले में काफी समय से अदालत में सुनवाई जारी है। केस MP-MLA कोर्ट में विचाराधीन है, जहां जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों की सुनवाई होती है। अदालत ने कई बार ओमप्रकाश राजभर को पेश होने के लिए तलब किया था, लेकिन वह लगातार अदालत में उपस्थित नहीं हो रहे थे। उनकी अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए अदालत ने आखिरकार सख्त रुख अपनाया। बार-बार समन और निर्देशों के बावजूद कोर्ट में पेश न होने पर न्यायालय ने इसे अवमानना जैसा मानते हुए गैरजमानती वारंट जारी करने का फैसला लिया। कोर्ट का यह कदम इस बात का संकेत है कि अब इस मामले को लेकर कोई नरमी नहीं बरती जाएगी और आरोपी को हर हाल में अदालत के सामने पेश होना होगा। क्या होता है गैरजमानती वारंट?

गैरजमानती वारंट (NBW) एक गंभीर कानूनी प्रक्रिया होती है, जिसमें पुलिस को निर्देश दिया जाता है कि आरोपी को गिरफ्तार कर सीधे अदालत में पेश किया जाए। इस स्थिति में आरोपी को तुरंत जमानत मिलने की गारंटी नहीं होती और कोर्ट के सामने पेश होने के बाद ही आगे की प्रक्रिया तय होती है।

राजनीतिक और कानूनी असर

इस मामले ने राजनीतिक गलियारों में भी हलचल पैदा कर दी है। एक ओर जहां विपक्ष इस कार्रवाई को कानून का पालन सुनिश्चित करने वाला कदम बता सकता है, वहीं समर्थक इसे राजनीतिक दबाव का हिस्सा भी बता सकते हैं। हालांकि, अदालत का रुख साफ है कि कानून के सामने सभी समान हैं और जनप्रतिनिधियों को भी न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य है। अब नजर इस बात पर है कि ओमप्रकाश राजभर कब तक अदालत में पेश होते हैं और इस मामले में उनकी ओर से क्या कानूनी दलील दी जाती है।

हादसों में दो मासूम बच्चों समेत 7 लोगों की दर्दनाक मौत

बुधवार शाम आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने सुल्तानपुर जिले में भारी तबाही मचा दी। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए हादसों में दो मासूम बच्चों समेत 7 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 21 लोग घायल हो गए। कहीं पेड़ गिरा, कहीं दीवार ढही तो कहीं बिजली का खंभा मौत बनकर टूट पड़ा। अचानक आई इस आपदा से कई परिवारों की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। सबसे मार्मिक घटना कुड़वार थाना क्षेत्र के पूरे शिववंश दुबे गांव में हुई। यहां 20 वर्षीय महेंद्र तिवारी की बिजली का खंभा गिरने से मौत हो गई। महेंद्र अपनी बहन कौशिक की शादी के लिए 10 दिन पहले ही परदेस से घर लौटा था। बुधवार शाम उसे परिवार के साथ बहन का तिलक लेकर अलीगंज बाजार जाना था, लेकिन उससे पहले ही मौत ने उसे निगल लिया। परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन अब घर में चीख-पुकार और मातम पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि 7 मई को बहन की बारात आनी थी। बल्दीराय थाना क्षेत्र में भी आंधी कहर बनकर टूटी। कस्बा माफियात में 8 वर्षीय महिमा की ईंट गिरने से मौत हो गई। वह अपने छप्परनुमा घर में थी तभी तेज हवा के बीच दीवार से ईंट गिर पड़ी। महिमा कक्षा तीन की छात्रा थी। इसी थाना क्षेत्र के सिंघनी गांव में तेज आंधी के दौरान पेड़ गिरने से 58 वर्षीय रामबरन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी श्यामलली गंभीर रूप से घायल हो गईं। हलियापुर थाना क्षेत्र के पूरे निधई तिवारी मजरे डोभियारा गांव में कच्ची दीवार और छप्पर गिरने से 35 वर्षीय रीता की मौत हो गई। रीता अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गई हैं। उनके पति खेती-किसानी कर परिवार चलाते हैं। अखंडनगर थाना क्षेत्र के बरामदपुर गांव में भी दर्दनाक हादसा हुआ।

पारिवारिक विवाद व रुपयों के लेन देन को लेकर भतीजे ने ही की थी अपने ताऊ की हत्या

उत्तर प्रदेश आज लक्ष्मण कुमार शर्मा पुत्र भगवती प्रसाद उपाध्याय निवासी मास्टर कालोनी थाना इग्लास जनपद अलीगढ़ द्वारा लिखित तहरीर के माध्यम से थाना हाथरस जंक्शन पर सूचना दी कि उसके ससुर जगदीश प्रसाद शर्मा पुत्र बंगाली शर्मा निवासी पहाडपुर थाना हाथरस जंक्शन अपने घर में अकेले रहते थे रात में अज्ञात शातिर द्वारा मेरे ससुर की हत्या कर दी है। उक्त सूचना के आधार पर थाना हाथरस जंक्शन पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया पुलिस अधीक्षक हाथरस तेजतर्रारिचिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा फील्ड यूनिट के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए घटना के शीघ्र अनावरण हेतु व घटना कारित करने वाले अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थाना हाथरस जंक्शन पुलिस सहित पांच टीमों का गठन किया गया घटना के संबंध में आसपास लगे सीसीटीवी और धरातलीय साक्ष्य एकत्रित किए गएथाना हाथरस जंक्शन पुलिस टीम द्वारा थाना हाथरस जंक्शन क्षेत्रान्तर्गत एक व्यक्ति की हत्या की घटना में प्रकाश में आये एक आरोपी को ग्राम पहाडपुर सरकारी कुए से गिरफ्तार किया गया है।जिसकी निशादेही पर आलाकत्ल एक टेचिया (कुल्हाडी) बरामद हैआरोपी कपिल शर्मा उपरोक्त से पूछताछ में जुर्म का इकबाल करते हुए बताया कि मृतक जगदीश प्रसाद शर्मा पुत्र बंगाली मल शर्मा उपरोक्त मेरे ताऊ है। जिनकी एक लडकी थी जिसकी शादी करीब 26 वर्ष पूर्व अलीगढ में हो चुकी है ताऊ जगदीश प्रसाद शर्मा उपरोक्त के पास बहुत पैसा था उन्होंने तीन वर्ष पूर्व हमें एक ट्रैक्टर दिलवाया था जो वापस ले लिया है। शाम करीब 06 बजे ताऊ गाली देकर ट्रैक्टर के पाँच लाख रुपये मांग रहे थे हमारे पास पैसे नही थे तो मैंने रात में ताऊ की हत्या करने की योजना बनाई और रात करीब दस बजे उनके घरजाकर उनके हाथ पैर दबाकर सेवा की जब ताऊ सो गये तो उनके घर के जीने की कुन्डी खोल दी और अपने घर वापस आ गया रात में अपने घर से टेचिया कुल्हाडी लेकर जीने के रास्ते ताऊ के घर में जाकर सोते समय ताऊ के सिर पर मारकर उनकी हत्या कर दी नाम पता शातिर गिरफ्तारा. कपिल शर्मा पुत्र राजेन्द्र प्रसाद शर्मा निवासी पहाडपुर थाना हाथरस जक्शन जिला हाथरस।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

हाथरस 29 अप्रैल, 2026। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, विशाल कुमार ने जनपद हाथरस़ के ऐसे समस्त दिव्यांगजन एवं जन सामान्य को सूचित किया जाता है कि दिव्यांगजन व्यक्तियों एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों/सेवायोजकों को प्रत्येक वर्ष 03 दिसम्बर "विश्व दिव्यांग दिवस" के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश के द्वारा निम्नलिखित क्षेत्रों में पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।स्वतः रोजगाररत दक्ष दिव्यांग व्यक्ति/कर्मचारी, उत्कृष्ट दिव्यांग कर्मचारी/अधिकारी, उत्कृष्ट सेवायोजक एवं प्लेसमेंट अधिकारी, व्यक्ति विशेष हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट संस्था हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट रोल मॉडल हेतु पुरस्कार, दिव्यांगजनों के लिये बाधारहित वातावरण के निर्माण के लिये पुरस्कार, दिव्यांगजन के पुनर्वासिन के क्षेत्र में कार्य के लिये उत्कृष्ट जनपद, उत्कृष्ट लोकल लेवल कमेटी हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट चैनेलाइजिंग एजेंसी हेतु पुरस्कार, असाधारण सृजनात्मक कर्यि

हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट ब्रेलप्रेस हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट एससेबल बेबसाइट हेतु पुरस्कार। अतः उपरोक्तानुसार उल्लेखनीय है कि दिव्यांगता के उपरोक्त क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार इस वर्ष 03 दिसम्बर, 2026 "विश्व दिव्यांग दिवस" के अवसर पर दिये जाने हेतु निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, विकास भवन कक्ष संख्या-104 में विलम्बतम दिनांक-25.05.2025 तक जमा कराया जाना सुनिश्चित करें।